भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3251

जिसका उत्तर 23 मार्च, 2018 को दिया जाना है

कोयला क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों के लिए नयी प्रौद्योगिकी का अपनाया जाना

3251. श्री संजय सिंहः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयले को उर्वरक और मेथनॉल में बदलने, कोल बेड मीथेन (सीबीएम) और कोल माइन मीथेन (सीएमएम) के अन्वेषण और भूमि के अंदर ही कोयले के गैसीकरण के लिए अपनाई जाने वाली नई प्रौद्योगिकी की दिशा में उठाए गए कदम अभी योजना बनाने के चरण से आगे नहीं बढ़ पाए हैं; और

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान नई प्रौद्योगिकी को अपनाने संबंधी सभी गतिविधियों का वर्ष–वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल एवं कोयला मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) तथा (ख) : कोयले को उर्वरक एवं मेथनॉल में बदलने, कोल बेड मेथेन (सीबीएम) और कोल माइन मेथेन (सीएमएम) के अन्वेषण तथा भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए नई प्रौद्योगिकी अपनाने की दिशा में उठाए गए कदम निम्नलखित हैं :

1. नीति आयोग ने दो कक्ष स्थापित किए हैं (1) कोयला गैसीकरण से संबद्ध और (2) मेथनॉल इकॉनोमी से संबद्ध, जिसमें कोयले से मेथनॉल का उत्पादन शामिल है।

2. समय-सीमा सहित निम्नलिखित कार्यनीति तैयार की गई है :-

चरण 1 : (2017-19)

- कोयले से मेथनॉल की पूर्ण स्वदेशी प्रौद्योगिकी (अवधारणा स्तर का प्रमाण) के अभिग्रहण हेतु आरएंडडी प्रायोगिक संयंत्र।
- लागत पर प्रभाव वाले मुख्य क्षेत्रों पर आरएंडडी से संबंधित कार्य।
- 100 टन प्रतिदिन (टीपीडी) संयंत्र हेतु रूपरेखा तैयार करना।

चरण 2 : (2017-2023)

- 100 टीपीडी संयंत्र स्थापित करना।
- 1500-5000 टीपीडी संयंत्रों के लिए रूपरेखा तैयार करना।

चरण 3 : (2023 – 2030)

- विभिन्न कोयला खानों के मुहानों पर 1500-5000 टीपीडी संयंत्र स्थापित करना।
- 2030 तक 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) का लक्ष्य प्राप्त करना।

3. गेल (इडिया) लिमिटेड (गेल), राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) तथा फर्टिलाइजर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) के साथ कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) जेवी कंपनी, तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के माध्यम से तलचर उर्वरक संयंत्र के पुनरूद्धार में शामिल है। शैल प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए कोयला गैसीकरण के लिए बोली प्रस्तुत करने सहित एकमुश्त- ट्रंकी (एलएसटीके) एनआईटी दिनांक 28 मार्च, 2018 को जारी की गई है।

4. सीआईएल अपने दनकुनी लो टैम्प्रेचर कार्बोनाईजेशन प्लांट के परिसर में वाणिज्यिक स्तर के कोयले से मेथनॉल का संयंत्र स्थापित करने की खोज कर रही है। पांच कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकियों ने वैश्विक एक्सप्रैशन ऑफ इंट्रेस्ट (ईओआई) के माध्यम से पूर्व अर्हता प्राप्त की है। मैसर्स प्रोजेक्ट्स एंड डेवलेपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल) ने पूर्ण एकमुश्त-ट्रंकी आधार पर परियोजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट कोल इंडिया लिमिटेड को प्रस्तुत की है।

5. झारखंड के झरिया कोलफील्ड में बीसीसीएल के खनन पट्टे में कोल बेड मेथेन के निकर्षण हेतु क्षेत्र की पहचान की गई है। अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ द्वारा किए गए तकनीकी-आर्थिक अध्ययनों के आधार पर परियोजना व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई है।

6. कोयला मंत्रालय ने भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) के प्रयोजनार्थ एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) के पक्ष में गुजरात में डिपसाइड ताडकेशवर एवं डुंगरा और वेलिया एवं राजपर्दी लिग्नाइट ब्लाकों के डिपसाइट को आरक्षित किया है। एनएलसीआईएल ने इन लिग्नाइट ब्लॉकों में "तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन और यूसीजी प्रायोगिक परियोजना" के लिए बोली आमंत्रित की है।